1,50,336 करोड़ कम आंकी जा रही है जीएसडीपी

जीएसडीपी की गणना को लेकर केंद्र और राज्य के बीच विवाद

▶ सरकार के बजट में विवाद के सुलझने के आसार

कन्हैया लोधी

भोपाल, 30 जनवरी. केंद्र सरकार और मप्र सरकार के बीच सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानी जीएसडीपी को लेकर मतभेद उभर आये हैं.

केंद्र सरकार मप्र की जीएसडीपी को 15 लाख 44 हजार 141 करोड़ रुपए आंक रही है, वहीं मप्र सरकार का तर्क है कि उसकी जीएसडीपी वर्ष 2025-26 की अवधि में 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपए हैं. इस तरह केंद्र सरकार मप्र की जीएसडीपी को थोड़े बहुत नहीं बल्कि पूरे 150336 करोड़ रुपए कम आंक रही है. लिहाजा अब इस मतभेद को सुलझाने के लिये राज्य सरकार ने कोशिशें की है, जिसका परिणाम केंद्र सरकार द्वारा एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में देखने मिल सकता है. यदि ऐसा हुआ तो मप्र को बड़ा फायदा मिल सकता है. दरअसल राज्य सरकार ने 15वें वित्त आयोग की गणना के आधार

पर मप्र की जीएसडीपी का जो अनुमान लगाया है, वह केंद्र सरकार द्वारा मान्य किये गये जीएसडीपी से डेढ़ लाख करोड़ रुपए कम है. इसका असर मप्र की साख और कर्ज लेने की सीमा पर पड़ रहा है. मप्र की जीएसडीपी का आकार जितना बड़ा होगा, उसका उतना ही फायदा बाजार से कर्ज लेने पर मिल सकता है.

अभी जीएसडीपी के 3 फीसदी के बराबर प्रतिवर्ष कर्ज लिया जा सकता है और केंद्र सरकार द्वारा चिन्हित किये गये क्षेत्रों में सुधार कार्य लागू करने पर 0.5 फीसदी अतिरिक्त कर्ज लेने की रियायत मिलती है. लिहाजा अब सरकार अपनी क्षमता के मुताबिक कर्ज लेने के लिये जीएसडीपी की गणना में सुधार करने की वकालत कर रही है. बताया जा रहा है कि मप्र सरकार ने इस मामले को केंद्र के सामने प्रमुखता से उठाया है, जिसका फायदा नये बजट में मिल सकता है. यदि केंद्र सरकार ने मप्र के जीएसडीपी को राज्य के दावे के मुताबिक 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपये मान्य करती है तो मप्र की कर्ज लेने की क्षमता में और बढ़ोतरी हो जाएगी.

केंद्रीय करों में 10 फीसदी हिस्सा मांगा

मप्र को अभी केंद्रीय करों में 7.85 फीसदी हिस्सेदारी है. वहीं राज्य सरकार लगातार केंद्र पर दबाव बना रही है कि केंद्रीय करों में उसकी हिस्सेदारी बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाए. इसके लिए राज्य सरकार ने प्रदेश की विशेष भौगोलिक स्थिति और विशेष रूप से विशाल प्रदेश होने के साथ ही तटीय क्षेत्र नहीं होने से बंदरगाह का फायदा नहीं मिलने जैसे कारण गिनाये हैं. यदि ऐसा हुआ तो मप्र को लगभग 14 से 15 हजार करोड़ रुपए का फायदा मिल सकता है. ये इसलिये कि अभी मप्र का केंद्रीय करों में हिस्सा एक लाख 11 हजार 662 करोड़ रुपए है, जो कि बढ़कर लगभग एक लाख 25 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है.

कांग्रेस की तीन जिला इकाई गठित

विशेष संवाददाता

भोपाल, 30 जनवरी. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले ने जानकारी दी कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की स्वीकृति के पश्चात छिंदवाड़ा, मऊगंज एवं सागर जिला कांग्रेस कमेटियों की जिला कार्यकारिणियों का गठन किया गया है.

डॉ. कामले ने बताया कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया निरंतर जारी है. आने वाले समय में प्रदेश के सभी जिलों में जिला कार्यकारिणियों का गठन किया जाएगा. वर्तमान में पूरे मध्य प्रदेश में कांग्रेस का संगठनात्मक कार्य तेजी और सक्रियता के साथ आगे बढ़ रहा है. उन्होंने आगे बताया कि समाज के हर वर्ग की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा संचालित सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी पूरी कर ली गई हैं.

सीएम करेंगे नोहलेश्वर महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल. संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि बुंदेलखंड के दमोह जिले में नोहटा स्थित नोहलेश्वर मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला नोहलेश्वर महोत्सव इस वर्ष अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. यादव 11 से 15 फरवरी तक चलने वाले इस 5 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे. इस महोत्सव में कला, संस्कृति, साहित्य एवं भक्ति संगीत जगत की ख्यातनाम हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी. राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि बुंदेलखंड की धार्मिक आस्था के इस केंद्र पर होने जा रहे नोहलेश्वर महोत्सव में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर जहां भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे.

दूषित पानी से भागीरथपुरा में हुई 31वीं मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से फैली बीमारी ने एक और जान ले ली. शुक्रवार को 72 वर्षीय बुजुर्ग की मौत के बाद यह मामला और गंभीर हो गया है. अब तक इस संकट में 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई मरीज अभी भी इलाजरत हैं.

भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैली बीमारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है. शुक्रवार को 72 वर्षीय एकनाथ सूर्यवंशी की मौत हो गई. परिजनों के अनुसार, लंबे समय से अस्पताल में चले इलाज के बाद गुरुवार शाम उन्हें घर लाया गया था, जहां कुछ ही घंटों में उनकी हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम

तोड़ दिया. परिवार ने बताया कि एकनाथ सूर्यवंशी को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद 29 दिसंबर 2025 को पहले शैल्बी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था. वहां हालत में सुधार नहीं होने पर 3 जनवरी 2026 को उन्हें बॉम्बे हॉस्पिटल रेफर किया था. बॉम्बे हॉस्पिटल में 4 जनवरी को उनकी हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया था. जहां करीब 30 दिनों तक चले इलाज में वे 25 दिन से ज्यादा समय तक वेंटिलेटर पर रहे. डॉक्टरों का कहना है कि दूषित पानी से फैले संक्रमण के कारण एकनाथ सूर्यवंशी की दोनों किडनियां फेल हो गई थीं. उनका लिवर भी गंभीर रूप से प्रभावित था, जबकि बीमारी का असर हार्ट और ब्रेन तक पहुंच चुका था.

डॉक्टरों का कहना है कि इस बीमारी से पीड़ित अधिकतर मरीजों में मल्टी ऑर्गन फेल्योर जैसी स्थिति देखने को मिली है. इलाज के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी बॉम्बे हॉस्पिटल पहुंचे थे और उन्होंने मरीजों से मुलाकात की थी. इस दौरान उन्होंने एकनाथ सूर्यवंशी के बेटे से भी हालचाल जाना था.

संविदाकर्मियों की भूमिका हनुमानजी के समान

संविदा कर्मचारी-अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 30 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संविदाकर्मियों के श्रम और विश्वास पर ही राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल हो रही है. संविदाकर्मियों की भूमिका हनुमान जी के समान है. आपके श्रम और साझेदारी ने ही शासन-प्रशासन की व्यवस्था बनाई रखी है.

संविदाकर्मी अनुबंध से अवश्य आते हैं, किन्तु व्यवस्थाओं के प्रबंधन में विराट भूमिका निभाते हैं. स्वास्थ्य सेवाएं हों या शिक्षा, पंचायत, नगरीय निकाय या तकनीकी सेवाएं मैदानी स्तर पर सर्वे, मॉनीटरिंग और क्रियान्वयन में संविदा भाई-बहन हर जगह व्यवस्था के भरोसेमंद स्तंभ बनकर खड़े हैं. संविदाकर्मियों ने जिस निष्ठा से काम किया है, उसने यह सिद्ध कर दिया कि सेवा पद से बड़ी है. संविदाकर्मी राज्य सरकार का कार्यबल ही नहीं, हमारा आत्मबल भी हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को टीटी नगर दशहरा मैदान में भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित मप्र संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के संविदा कर्मचारी-

अधिकारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार संविदा कर्मियों के अधिकारों के लिए सदैव सकारात्मक भाव के साथ खड़ी है.

राज्य सरकार द्वारा संविदा कर्मियों के सेवा सुधार, पारिश्रमिक सुधार, कार्य परिस्थिति और भविष्य के सुधारों पर पहले भी सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं, भविष्य में भी उनका पूरा ध्यान रखा जाएगा. हमारी सरकार संविदा कर्मियों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सभी मुद्दों का समाधान निकालेगी. संविदा कर्मचारियों के लिए जो भी निर्णय हो सकते हैं, उससे अधिक करने का प्रयास करेंगे. नियम, न्याय और वित्तीय संतुलन के दायरे में रहते हुए संविदाकर्मियों की कठिनाइयों का हल निकाला जाएगा. मप्र संविदा संयुक्त संघर्ष मंच, वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के साथ समन्वय करते हुए सभी कठिनाइयों का समाधान इस प्रकार किया जाएगा, जिससे संविदाकर्मियों का सम्मान और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हों. संविदाकर्मियों की उचित मांगों पर राज्य सरकार संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ उनका सहयोग करेगी.

सीएम ने ये घोषणाएं भी कीं

- 10 वर्ष से अधिक अनुभवी संविदाकर्मियों को नियमित पदों पर संविलियन की अभी तक 50 प्रतिशत पदों के लिए प्रक्रिया जारी है, इस दिशा में आगे और काम किया जाएगा.
- जीएडी संविदा नीति-2023 के तहत सभी कंडिकाओं का केंद्र और राज्य पोषित परियोजनाओं में अक्षरशः क्रियान्वयन किया जाएगा. राज्य शासन के निगम मंडल इसे लागू करेंगे.
- संविदा नीति-2023 के तहत सभी विभागों में संविदा कर्मियों के लिए एनपीएस, ग्रेज्युटी, स्वास्थ्य बीमा लाभ, अनुकंपा नियुक्ति के लिए केंद्र पोषित-राज्य पोषित समस्त योजनाओं-परियोजनाओं में एक साथ क्रियान्वयन तथा संविदा कर्मियों के लिए दंड के प्रावधान सीसीए रूल 1965, 1966 को पूर्णतः लागू करने के संबंध में नीतिगत निर्णय कराया जाएगा.
- विभिन्न विभागों, योजना, परियोजना में पदस्थ संविदा कर्मचारियों की विसंगतिपूर्ण समकक्षता के निर्धारण के लिए अभ्यावेदनों का निराकरण, संविदा के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा समय-सीमा में किया जाएगा.
- कृषि विभाग की आत्मा योजना, जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्रों में संविदा नीति-2023 के तहत समकक्षता का निर्धारण किया जाएगा.

फ्रीगंज की तरफ आने वाले बड़े वाहनों का मार्ग बदला, ब्रिज निर्माण में आई तेजी

- पीएचई द्वारा पाइपलाइन की जा रही शिफ्ट
- पुराने अशोक टॉकीज के पास का बन्द रास्ता खोला गया
- अंग्रेजों के जमाने में बने पुल के पास बन रहा नया फोरलेन ब्रिज

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सेतु विकास निगम ने फ्रीगंज रेलवे ओवरब्रिज का काम तेजी से आगे बढ़ा दिया है, अब तक पाइप लाइन शिफ्ट ना होने की वजह से काम रुका हुआ था. शहरवासियों के लिए इसी तरफ बंद पड़ा पुराना मार्ग अशोक टॉकीज के पास खोल दिया गया है जिससे पाइपलाइन भी शिफ्ट करने में आसानी हो रही है.

नवभारत से चर्चा में सेतु विकास निगम के कार्यपालन यंत्री पीएस पंत ने बताया कि हमने कई बार नगर निगम को पत्र लिखे, जिला प्रशासन से भी चर्चा की, वरिष्ठ अफसरों ने पूरे मामले को संज्ञान में लिया और पीएचई ने मौके पर काम शुरू कर दिया है ऐसे मे आवाजाही मार्ग को बंद कर दिया गया है और वाहन चालकों को दिक्कत ना हो इसके लिए एक नया मार्ग खोल दिया है.

डॉ. यादव के प्रयासों से मिली उपलब्धि

अंग्रेजों के जमाने से बना 150 साल पुराना ब्रिज जर्जर हो चुका था, वाहन चालकों पर भी खतरा मंडरा रहा था कि कहीं ब्रिज गिरने से घटना दुर्घटना ना हो जाए, वहीं ये फ्रीगंज ब्रिज छोटा भी पड़ने लगा था. इधर, 2028 में सिंहस्थ का आयोजन होना है. ऐसे में डॉ मोहन यादव लंबे समय से प्रयास में थे, जब वह पहली बार विधायक बने थे तब से ही उक्त ब्रिज की मांग की जा रही थी. उच्च शिक्षा मंत्री रहते यह ब्रिज डॉक्टर यादव ने स्वीकृत कराया और अब जब वे प्रदेश के मुखिया है ऐसे में इस ब्रिज की सौगात शहरवासियों बको मिल गई है.

रेलवे और बीच पर नजर-डॉ. मोहन यादव ने 12 दिसंबर 2024 को इस महत्वपूर्ण फ्रिगंज ओवरब्रिज निर्माण का भूमि पूजन किया था. यह ब्रिज लगभग 91.76 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है. इसकी कुल लंबाई 633 मीटर और चौड़ाई 21.40 मीटर प्रस्तावित है. सेतु विकास निगम इस कार्य की देखरेख कर रहा है. निर्माण का ठेका गुजरात की चेतन कंस्ट्रक्शन को दिया गया है.

सिंहस्थ से पहले निर्माण का लक्ष्य

यह नया ब्रिज पुराने ओवरब्रिज के समानांतर बनाया जा रहा है ताकि उज्जैन के नए और पुराने शहर के बीच यातायात सुगम हो सके. इसे सिंहस्थ 2028 से पहले पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है. निर्माण के लिए बोरिंग टेस्टिंग पूरी हो चुकी है और रिटेनिंग वॉल बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है, अब बीच में भी पिलर खड़े कर दिए गए हैं कुछ बस्ती हटाकर निर्माण आगे तक बढ़ रहा है और एक शाखा इसकी मक्सी रोड तरफ जाएगी दूसरी टॉवर चौक तरफ जिसके लिए सेतु विकास की टीम दिन-रात काम कर रही है.

प्रदेश में 3 दिन बारिश का अलर्ट

घना कोहरा : तापमान में और गिरावट के आसार

भोपाल, 30 जनवरी. मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है. शुक्रवार को प्रदेश के आधे से अधिक हिस्से में घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन और यातायात प्रभावित हुआ.

इसी बीच मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 31 जनवरी से 2 फरवरी तक तीन दिन लगातार बारिश का अलर्ट जारी किया है. बारिश के बाद तापमान में और गिरावट आने से ठंड का असर बढ़ने की संभावना है. मौसम विभाग भोपाल के अनुसार, स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में देखने को मिलेगा. शुक्रवार तड़के भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के 24 जिलों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा. कई क्षेत्रों में सुबह 10 बजे तक धूप नहीं निकल सकी. पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा. राजगढ़ जिले में शीत लहर का प्रभाव दर्ज किया गया.

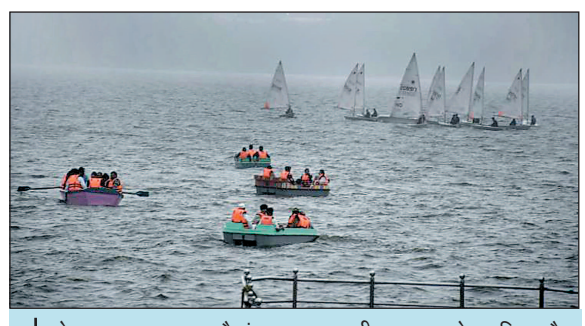

भोपाल, धार, रतलाम, नौगांव (छतरपुर), टीकमगढ़, दमोह, दतिया और ग्वालियर जिलों में शीतल दिन रहा, जबकि गिरवर (शाजापुर) में तीव्र शीतल दिन की स्थिति बनी. अधिकतम तापमान में भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, उज्जैन और जबलपुर संभागों में 2.2 से 3.7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई. उज्जैन संभाग के जिलों में तापमान सामान्य से 5.9 डिग्री तक कम रहा, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभागों में यह सामान्य से 3 से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया. न्यूनतम तापमान में शहडोल और सागर संभागों में 4.3 से 5.7 डिग्री तक गिरावट आई. मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में उत्तर-पूर्वी ईरान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि 2 और 5 फरवरी से नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के मौसम में और बदलाव आने की संभावना है.

पुलिस ने चोरी गई संपत्ति बरामद की

भोपाल. मध्य प्रदेश पुलिस ने चोरी, नकबजनी और लूट जैसी संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेशभर में सघन अभियान तेज कर दिया है.

बीते एक सप्ताह के दौरान पन्ना, शिवपुरी, इंदौर, रतलाम और भोपाल सहित विभिन्न जिलों में की गई समन्वित कार्रवाइयों में पुलिस ने एक करोड़ रुपये से अधिक की चोरी गई संपत्ति बरामद की है तथा कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पन्ना जिले में पुलिस ने मंदिरों और सूने मकानों को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया. पूछताछ में आरोपियों ने पन्ना, सतना और कटनी में कुल 19 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया.

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-02
जी-13, प्रथम 'तल' एम.आई.जी. कॉलोनी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इंदौर (म.प्र.), मो. नं. : 9425601512
Email-Id : mpphidclindore2@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना - 41/2025-26

म.प्र.पु.आ. एवं अधो.वि.नि., इंदौर संभाग क्र.-02, इंदौर द्वारा सामुदायिक भवन/सांस्कृतिक केन्द्र छनैरा एवं खालवा जिला खंडवा में भवन निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.02.2026 तक खरीदे जा सकते हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/124198/2026 **परियोजना यंत्री**

MOIL LIMITED
(A Government of India Enterprise)
MOIL Bhawan, 1A, Katol Road, Nagpur – 440 013
Website : www.moil.nic.in | E-mail: compliance@moil.nic.in
Telefax: 0712-2591661 | CIN : L99999MH1962GOI012398

Extracts of un-audited financial results for the quarter and nine months ended 31st December, 2025

₹ in Lakhs

Sr. No.	Particulars	Quarter Ended 31.12.2025 Unaudited	Quarter Ended 31.12.2024 Unaudited	Nine months ended 31.12.2025 Unaudited
1	Total income from operations	35991.34	36681.61	105602.10
2	Net profit /(loss) for the period (before tax, exceptional and /or extraordinary items)	6990.76	8904.93	22348.77
3	Net profit /(loss) for the period before tax (after exceptional and /or extraordinary items)	6990.76	8904.93	22348.77
4	Net profit/(loss) for the period after tax (after exceptional and /or extraordinary items)	5292.24	6367.61	17486.67
5	Total comprehensive income for the period [comprising profit/(loss) for the period (after tax) and other comprehensive income (after tax)]	5120.86	6368.09	14821.21
6	Equity share capital (Face value of ₹10 each)	20348.52	20348.52	20348.52
7	Reserve (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Balance Sheet	251323.70	246368.19	251323.70
8	Earnings per share from continuing operations (Face value of ₹10 each) Basic	2.60	3.13	8.59
	Diluted	2.60	3.13	8.59

Notes :
(1)The above results, reviewed by the Audit Committee, have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 30th January, 2026 and have been reviewd by Statutory Auditors of the company. This statement has been prepared in accordance with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 (Ind AS) prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013 and other recognised accounting practices and policies to the extent applicable.
(2) The board has approved second interim dividend of ₹3.53 per equity share for the financial year 2025-26
(3)The above is an extract of the detailed format of financial results for the quarter and nine months ended on 31st December, 2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. Financial results in detailed format are available on the websites of Stock Exchanges **(www.bseindia.com and www.nseindia.com)** and on the Company's website **(www.moil.nic.in).**
(4) MOIL has no subsidiary/associate/joint venture company as on **31st December,2025.**
(5) Previous period's figures have been regrouped/reclassified, wherever necessary to make them comparable. The figures for the quarter ended **31st December, 2025/2024** are balancing figures between the unaudited figures of half year and reviewed figures upto **31st December, 2025/2024.**

Scan QR Code for detailed Results

Place : New Delhi
Date : 30th January,2026

For MOIL Limited
Sd/-
Vishwanath Suresh
Chairman-cum-Managing Director
DIN : 10059734

(हर एक काम, देश के नाम) (MOIL - Adding Strength to Steel)

कार्यक्रम | पटवारी ने मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप दोहराया

स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा का अनावरण

विशेष संवाददाता

भोपाल,30 जनवरी. महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर के गावली पलासिया में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी भागीरथ वर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया.

इस अवसर पर आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पटवारी ने संगठन को मजबूत करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा पर विस्तार से विचार रखे. पटवारी ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन निरंतर

एकजुटता और विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहा है. संगठन को सशक्त बनाने में योगदान देने वालों का सदैव सम्मान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि संगठन के भीतर किसी भी प्रकार की असंतोष की स्थिति को संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए. 'विश्वास और सामूहिक एकता से ही मजबूत संगठन का निर्माण होता है,' उन्होंने कहा. कार्यक्रम में इंदौर ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, पूर्व जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे. इसके बाद पटवारी इंदौर के राजेंद्र नगर थाने पहुंचे, जहां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग और अनियमितताओं को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई. इस दौरान पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और कई कांग्रेस कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद थे.

पटवारी ने दावा किया कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के रूप में उन्होंने अपने ही बूथ पर अनियमितताओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा है. उन्होंने चेतावनी दी कि मतदाताओं के नाम हटाने के लिए गलत जानकारी देना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत दंडनीय अपराध है. अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध सड़कों से लेकर अदालत तक करेगी.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60